# दिल

आपने दिल दे दिया, दिल ले लिया, मेरा दिल खो गया इत्यादि जुमले बहुत सुने होगें या हमारे दिल बदल गये पर हमने कही पर भी दिल बदलते या दिल को सड़क पर पडे हुये नही देखा है आज तक, पर हमने दिल फैक आशिको को सडको पर घूमते हुये पुरे भारत मे देखा है । ऐसे आशिक भी बहुत से देखे है कि जो कहते फिरते है कि हम तो आधे शादी को तैय्यार है हमने पूछा वह कैसे तो कहने लगे कि हमारे दिल मे जो उतर चुकी है वह तैय्यार नही है पर हम दिल दिमाग दोनो से तैय्यार वैठे है ।

पर जब हमने यह सुना कि दक्षिण अफ्रीका के एक डाक्टर क्रिस्टीन कीलर ने एक आदमी का दिल बदल दिया और वह आदमी कुछ दिनो तक जिन्दा भी रहा पर कुछ दिनो तक ही जिन्दा रहा कुछ दिनो तक, यह बात ध्यान देने वाली है। तो हमरा उन दिल फेक आशिको से यह कहना है कि आप दिल बदलने के चक्कर मे न पडे क्योकि मौत का सामना जल्दी हो जायेगा ।

अगर जहाँ पर भी दिल कभी भी बदले गये हो एक एक पत्थर भी लगा दिये जाये तो कैसा रहेगा, तो शायद सारी दुनिया पत्थरो से भर जायेगी जल्दी ही इसलिये हमने यह अपना इरादा वदल डाला है । पर हम अपनी बीती सुनाते है जहाँ हमारा दिल किसी और के दिल से वदला था वहाँ पहले से ही एक मील के पत्थर की तरह पत्थर लगा हुआ था अगर आपको यकीन न हो तो आप दिल्ली के चिडियाघर मे उतविलाव के पिजड़े के सामने लगे पत्थर को देख सकते है जो आपको हमारी कहानी पर यकीन करने पर मजबूर कर देगा ।

एक नया तथ्य दिल के वार मे अभी सामने आया है कि आदमी कुछ सूचनाओ को दिल मे भी एकत्र करता है तभी आपने कभी कभी सुना होगा कि आमुक आदमी का दिल जब वदल दिया तो उसकी आदतो मे भी वदलाव देखा जाता है । तव तो यह बात साफ हो जाती है कि कुछ लोग शादी के वाद बदल क्यो जाते है क्योकि उनका दिल सही मानो मे वदल चुका होता है । आशा है आप सबके साथ भी ऐसा हो यदि आप शादी शुदा है यदि नही तो भविष्य मे ऐसा हो । तभी तो कहते है कि तेरी याद दिल से भुलाई नही गई ।

अब देखते है कि हमारे शायर गीतकार और हिन्दी फिल्मो मे इस दिल का क्या हाल है । खूवसूरती के मामले मे जो सबसे ज्यादा प्रयोग मे आने वाला मुहावरा है - कि दिल आया गधी पर तो परी क्या चीज है बरसो पाला दिल को पहलू हमने, अपना ना हुआ । तुमने नजर भर देखा, और वह तुम्हारा बन गया । दिल की लगी को दिल्लगी न समझ नसेह, यह एक आग का दरया है और उसमे डुब कर जाना है । सूरदास जी देखें भगवान से क्या कह रहे है कि - हाथ छुड़ाये जात हो निर्बल जान के मोहे, दिल से जब जाओगे सबल जानूगाँ तोये ।

ऐ खुदा उनके गालो पर दे दे ऐसा तिल जिसको देखते ही फिसल जाये लाखो का दिल ।

तेरे दिल का मकान सैंया वड़ा आलीशान बोलो बोलो मेरी जान है किराया कितना ।

हमने आज तक किसी टूटे दिल को नही देखा, पर टूटे दिलो की दास्ताने आपने भी बहूत सुनी होगी उनको लिख कर आपको और बोर नही करूंगा । हाँ कुछ शेर हमने बहुत सुने है आप भी सुनिये

उनको अपने वज्मे नाज की रौनक बढानी थी नुमायश मे रक्खे थे टुकड़े मेरे दिल के ।

इतना फर्क है इस वज्म और उस वज्म मे, वहाँ जिराग यहाँ दिल जलाये जाते है ।

भरते है मेरी दिल की आह को फोनोग्राफ मे कहते आह किजिये और फीस लिजिये ।

दिल से निकली हुई आह भी वड़ी बुरी होती भगवान आपको इससे दूर रक्खें

बहुत निकले मेरे अरमान दिल के लिये फिर भी कम निकले इस लेख के लिये माफी चाहूगाँ । आप यदि मुक्त भोगी है तो आपको भी बहूत कुछ पता होगा आप भी जोड़ सकते है उनको इस लेख में ।

उमेश रश्मि रोहतगी
Umesh Rashmi Rohatgi 24161 nilan Drive Novi MI 48375 (248)471-5786
www.rurohatgi.com rurohatgi@yahoo.com

( यह लेख पहले उमेश ने 1967 मे खड़गपुर भारतमे लिखा था याद से फिर 2007 अमरीका मे लिखा है ।)